15 NOV 11 2026.qxd 14-11-2026 22:42 Page 1

महादेव आनलाइन सट्टा ऐप पर छह राज्यों में ३३ ठिकानों पर सीबीआई का छापा

नयी दिल्ली (आससे)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म महादेव ऑनलाइन बुक ऐप के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए छह राज्यों में 33 ठिकानों पर छापेमारी की है। ये छापे ऐप के पैनल संचालकों के परिसरों पर मारे गए। सीबीआई ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में मुख्य आरोपी और ऐप के प्रमुख प्रमोटर सौरभ चंद्राकर से पूछताछ में मिले खुलासों के आधार पर यह कार्रवाई की गई। चंद्राकर को ओमान से प्रत्यर्पित कराए जाने के बाद एक नवंबर को गिरफ्तार किया गया था। जांच एजेंसी ने बताया कि छापेमारी के दौरान कई स्थानों पर सट्टेबाजी और जुए के पैनल सक्रिय मिले, जिन्हें बंद करा दिया गया। इस दौरान डिजिटल उपकरण, मोबाइल फोन और आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद कर जब्त किए गए हैं। इन दस्तावेजों से म्यूल बैंक खातों और हवाला नेटवर्क के इस्तेमाल के संकेत मिले हैं। सीबीआई ने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार से जांच स्थानांतरित होने के बाद महादेव ऑनलाइन बुक ऐप मामले में दो प्राथमिकी दर्ज की गई थीं। जांच में सामने आया है कि इस प्लेटफॉर्म का संचालन विदेश स्थित मुख्य कार्यालय से किया जाता है, जबकि भारत में इसका नेटवर्क बड़े पैमाने पर पैनल संचालकों के जरिये चलाया जाता है।

केपीएससी भर्ती घोटाले में १.२२ करोड़की संपत्ति कुर्क

नयी दिल्ली (आससे)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन के एक मामले की जांच के तहत कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) के निलंबित अध्यक्ष शिवशंकरप्पा एस. साहूकार, आयोग की पूर्व सदस्य बी. वी. गीता और भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार की 1.22 करोड़ रुपये की संपत्तियां कुर्क कर ली हैं। ईडी ने शनिवार को एक बयान में कहा कि यह कारवाई केपीएससी भर्ती घोटाले की जांच के तहत की गयी। कुर्क की गयी संपत्तियों में साहूकार, गीता और गंगवार की चल एवं अचल संपत्तियां शामिल हैं। गंगवार कथित घोटाले के समय केपीएससी में परीक्षा नियंत्रक के पद पर तैनात थे। ईडी ने इस संबंध में धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया है। एजेंसी ने इस मामले की जांच राज्य पुलिस द्वारा पशु चिकित्सा अधिकारियों के 400 पदों पर भर्ती के लिएकेपीएससी की ओर से आयोजित परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर दर्ज की गईं कई प्राथमिकियों के आधार पर शुरू की थी।

स्टार्टअप इकोसिस्टम को यूपी सरकार देगी नयी रफ्तार

इनक्यूबेटर्स और एक्सीलरेटर प्रोग्राम से मजबूत होगा नवाचार का आधार

लखनऊ (आससे)। योगी सरकार प्रदेश को देश के प्रमुख स्टार्टअप और नवाचार केंद्रों में स्थापित करने की दिशा में प्रयास कर रही है। प्रदेश में युवाओं के नवाचार, उद्यमिता और नए व्यावसायिक विचारों को प्रोत्साहित करने के लिए ऐसा इकोसिस्टम विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है, जहां किसी नए विचार को सफल व्यवसाय में बदलने तक आवश्यक सहयोग मिल सके। उत्तर प्रदेश स्टार्टअप मिशन के तहत स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन देने के लिए इनक्यूबेटर्स, होस्ट इंस्टीट्यूट्स और एक्सीलरेटर प्रोग्राम की महत्वपूर्ण भूमिका निर्धारित की गई है। योगी सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के युवाओं को अपना उद्यम शुरू करने और उसे आगे बढ़ाने के लिए जरूरी संसाधन, मार्गदर्शन और संस्थागत सहयोग प्रदेश में ही उपलब्ध हो। उत्तर प्रदेश स्टार्टअप मिशन के सीईओ सुमित महाजन ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा स्टार्टअप्स को केवल शुरुआती स्तर पर सहयोग देने तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि उत्पाद विकसित होने के बाद उनके कारोबार को विस्तार देने और निवेश के लिए तैयार करने पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत बनाने में इनक्यूबेटर्स की अहम भूमिका होगी। इनके माध्यम से स्टार्टअप्स को प्लग एंड प्ले सुविधाएं, मीटिंग एवं कॉन्फ्रेंस रूम, ऑफिस स्पेस और साझा प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। सीईओ ने बताया कि प्रदेश में स्टार्टअप इकोसिस्टम को विस्तार देने के लिए होस्ट इंस्टीट्यूट्स को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। इसके अंतर्गत उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित या स्थापित तथा सरकार से मान्यता प्राप्त प्रतिष्ठित प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और अनुसंधान एवं विकास संस्थान शामिल होंगे। इन संस्थानों का उद्देश्य प्रदेश में उद्यमिता के विकास और प्रोत्साहन पर केंद्रित इनक्यूबेटर्स स्थापित करना होगा। इससे शैक्षणिक और तकनीकी संस्थानों की विशेषज्ञता का उपयोग नए उद्यमों को आगे बढ़ाने में किया जा सकेगा। स्टार्टअप्स को उत्पाद विकास के बाद कारोबार विस्तार के लिए तैयार करने के उद्देश्य से एक्सीलरेशन प्रोग्राम की व्यवस्था की गई है। यह न्यूनतम 12 सप्ताह की अवधि वाला एक संरचित और समयबद्ध कार्यक्रम होगा। एक्सीलरेटर प्रोग्राम में गहन मेंटरशिप, बाजार तक पहुंच बनाने में सहायता, निवेश के लिए तैयारी संबंधी प्रशिक्षण और अन्य स्टार्टअप्स के साथ अनुभव साझा करने के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।एक्सीलरेटर प्रोग्राम की अवधि कम से कम 12 सप्ताह होनी चाहिए और इसमें कम से कम पांच स्टार्टअप्स का समूह कोहोर्ट शामिल होना जरूरी होगा। कार्यक्रम का संचालन यूपी स्टार्टअप मिशन से सूचीबद्ध संस्था द्वारा किया जाएगा।

अनंतनागमें तस्कर की 13 करोड़ की संपत्ति कुर्क

श्रीनगर (आससे)। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में शनिवार को कथित मादक पदार्थ तस्कर की 13 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संपत्तियों को कुर्क किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि ये अचल संपत्तियां एक मादक पदार्थ तस्कर की थीं, जो स्वापक औषधि और मन: प्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत कई मामलों में आरोपी है। दक्षिण कश्मीर के इस जिले के तुलखुन इलाके के निवासी अब्दुल गनी डार के खिलाफ बिजबेहड़ा पुलिस थाने ने यह कारवाई की। प्रवक्ता ने बताया कि कुर्क की गयी संपत्तियों में दो मंजिला आवासीय मकान और 17 कनाल 15 मरला व्यावसायिक एवं कृषि भूमि शामिल है, जिनका आकलन मूल्य 13.05 करोड़ रुपये है।

अयोध्या-काशी के बाद मथुरा पर भाजपा की नजर

लखनऊ (आससे)। विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों में जुटी भाजपा ने मथुरा पर अपनी नजर गड़ा दी है। बीजेपी कान्हा की नगरी से सियासी संदेश देने को तैयार है। अयोध्या और काशी के बाद अब मथुरा को लेकर बीजेपी की रणनीतिक सक्रियता बढ़ गई है। भाजपा का शीर्ष नेतृत्व 16 और 17 नवंबर को दो दिवसीय चिंतन बैठक करेगा। इसमें पार्टी के करीब तीन दर्जन से ज्यादा भाजपा के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे।17 नवंबर को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बैठक में शामिल होंगे। विधानसभा चुनाव की रणनीति, संगठन की मजबूती और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में राजनीतिक समीकरणों पर चर्चा संभव है। भाजपा अयोध्या में श्रीराम मंदिर और काशी विश्वनाथ धाम के बाद अब मथुरा को वैचारिक और राजनीतिक प्राथमिकताओं के केंद्र में रखने का संदेश देना चाहती है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान का मुद्दा लंबे समय से भाजपा की राजनीति के महत्वपूर्ण विषयों में शामिल है।

पृष्ठ एक का शेष

यूपी में अग्निवीरों...

कारागार विभाग, वन विभाग और अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों में 20 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण दिया गया है। सीएम ने कहा कि सेना के अनुशासन और प्रशिक्षण से तपकर आने वाले नौजवान उत्तर प्रदेश पुलिस और शासन की ताकत बनेंगे। उन्होंने पूर्व सैनिकों के अनुभव को भी प्रदेश के विकास में उपयोगी बताया। सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2021 में समूह 'ख' के पदों पर पूर्व सैनिकों के लिए पांच प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया। उनके मुताबिक, पिछले तीन वर्षों में अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से 647 पूर्व सैनिक सरकारी सेवा में चयनित हुए हैं। वहीं, सैनिक कल्याण निगम के माध्यम से वर्तमान में लगभग 31,700 पूर्व सैनिकों को रोजगार दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पावर कॉरपोरेशन, मेडिकल कॉलेजों और अन्य महत्वपूर्ण संस्थानों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी पूर्व सैनिकों को सौंपने का निर्णय लिया गया है। नगर निकायों के प्रवर्तन दलों में भी पूर्व सैनिकों की तैनाती की जा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2017 से अब तक प्रदेश सरकार की सैनिक कल्याण योजनाओं के तहत 96 करोड़ 78 लाख रुपये की सहायता दी गई है। सैनिक पुनर्वास निधि से 15 हजार से अधिक लाभार्थियों को 115 करोड़ रुपये वितरित किये गये हैं। उन्होंने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के पूर्व सैनिकों और उनकी पत्नियों को छह हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन दी जा रही है। कारगिल के शहीदों की वीर नारियों और माता-पिता को भी प्रदेश सरकार की ओर से मासिक पेंशन दी जा रही है। किर्की और मोहाली के पैराप्लेजिक केंद्रों में उपचार करा रहे प्रदेश के 100 प्रतिशत दिव्यांग सैनिकों की वार्षिक सहायता बढ़ाकर डेढ़ लाख रुपये कर दी गयी है। सैनिकों के बच्चों की पढ़ाई के लिए भी शिक्षा अनुदान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री के मुताबिक, इस योजना से 8,600 से अधिक बच्चों को लाभ मिला है।

भारतमें २०१४...

यह कहूं कि विपक्ष इस बदलाव से हैरान नहीं था, तो यह झूठ होगा। उन्होंने कहा कि एक दशक तक भारतीय राजनीति में यह संकट बना रहा। फिर अचानक हमें पता चला कि आखिर क्या हो रहा था। हमने इसका पता लगाया और बिना किसी संदेह के साबित किया कि 2014 में भारत में लोकतंत्र को खत्म कर दिया गया था। भारत सम्मेलन को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि आपको कारोबार के शीर्ष पदों पर ऐसे लोग मिलेंगे। शिक्षा जगत में भी ऐसे लोग मिलेंगे। वे ऐसा दिखाते हैं, जैसे उन्हें सब कुछ पता है। राजनीति में हम उन्हें फासीवादी कहते हैं। उन्होंने कहा कि फासीवादी लोग अक्सर चिल्लाते हैं। वे शोर मचाते हैं। वे जोर-जोर से बोलते हैं। वे किसी की बात नहीं सुनते। जबकि ज्यादातर लोग दूसरों की बात सुनते हैं। ध्यान देते हैं और विनम्र रहते हैं। इसलिए फासीवादी लोगों की आवाज ज्यादा तेज होती है। उन्होंने आगे कहा कि इतिहास में ऐसा देखा गया है कि जब व्यवस्थाएं टूटने लगती हैं, तब फासीवादी लोग अचानक सामने आ जाते हैं। पिछले एक दशक से फासीवादी लोग लगातार भागते, उछलते, कूदते और चिल्लाते रहे हैं। वे लगातार शोर मचाते रहे हैं।

वीबी-जी राम जी योजना, कार्यों का डिजिटल सत्यापन और श्रमिकों की डिजिटल हाजिरी

लखनऊ (आससे)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के उच्च अधिकारियों से वीबी-जी राम जी योजना विकसित भारतदृगारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण के क्रियान्वयन एवं प्रगति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। श्री मौर्य ने मास्टर रोल, माप पुस्तिका, श्रमिकों की उपस्थिति, कार्यों के अभिलेख और भुगतान संबंधी प्रक्रियाओं को डिजिटल प्रणाली से जोड़ने तथा दस्तावेजों का नियमित ऑडिट कराने के निर्देश दिए। योजना के प्रत्येक कार्य और भुगतान का अभिलेख पूरी तरह पारदर्शी एवं सत्यापन योग्य होना चाहिए। किसी भी स्तर पर अनियमितता, फर्जीवाड़े अथवा सरकारी धन के दुरुपयोग की संभावना नहीं रहनी चाहिए। वीबी-जी राम जी योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत से लेकर शासन स्तर तक प्राप्त होने वाली प्रत्येक शिकायत का अधिकतम 15 दिनों के भीतर निस्तारण किया जाए। योजना के अंतर्गत कराए जा रहे कार्यों का डिजिटल माध्यम से सत्यापन किया जाए। कार्यस्थलों पर उपस्थित श्रमिकों की नियमित डिजिटल हाजिरी कराई जाए, ताकि वास्तविक श्रमिकों की उपस्थिति और उनके कार्य का सही रिकॉर्ड उपलब्ध रहे। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि योजना के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही, उदासीनता अथवा अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शिकायतों का 15 दिन में हो निस्तारण, लापरवाही बर्दाश्त नहीं-केशव मौर्य

कांग्रेसने यूपी में सपा से मांगी १८१ सीटें

नयी दिल्ली (आससे)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे की चर्चा तेज हो गई है। इस बीच सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने खुलासा किया है कि कांग्रेस ने विधानसभा की 403 सीटों में से 181 सीटों पर चुनाव लड़ने की मांग की है। उन्होंने ये बातें शनिवार को नयी दिल्ली में आयोजित एक मीडिया हाउस के कार्यक्रम में कहीं। सीटों की मांग को लेकर पूछे गए सवाल पर अखिलेश ने कहा कि कांग्रेस ने 100 सीटों से अधिक की मांग की है। जब उनसे पूछा गया कि क्या कांग्रेस ने 200 सीटें मांगी हैं, तो उन्होंने कहा कि इससे कुछ कम। इसके बाद 180 सीटों के सवाल पर मुस्कुराते हुए उन्होंने कहा 180 में एक और जोड़ लीजिए। उनके इस बयान से कांग्रेस की ओर से 181 सीटों की मांग किए जाने का संकेत मिला। सपा और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर 17 नवंबर को बैठक होने की संभावना है। हालांकि, सीटों की संख्या पर अंतिम फैसला होना बाकी है। इसके साथ ही अखिलेश यादव ने 12 दिसंबर को अयोध्या जाने के अपने कार्यक्रम की भी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि हालिया चुनाव में अयोध्या के लोगों से जो आशीर्वाद मिला है, उसका धन्यवाद देने वहां जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद मिला है, तो धन्यवाद देने जाना पड़ेगा। जहां आशीर्वाद मिला हो, वहां कौन नहीं झुकेगा। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जिस अयोध्या से भाजपा ने सांप्रदायिक राजनीति शुरू की थी, वहीं के समझदार मतदाताओं ने उसकी राजनीति को खत्म करने का संदेश दिया है। अखिलेश ने कहा कि अयोध्या के लोगों ने बदलाव का संकेत दिया है और सभी को इसके लिए तैयार रहना चाहिए।

होर्मुज : बारूदी सुरंगों का जाल, टैंकर में लगी आग

नयी दिल्ली (आससे)। ईरान की नौसेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पूर्व में स्थित प्रतिबंधित समुद्री क्षेत्र में प्रवेश नहीं करने की टैंकरों को चेतावनी दी है। ईरानी दावों के मुताबिक, प्रतिबंधित रास्ते से गुजरने की कोशिश कर रहे तेल टैंकर नौसैनिक बारूदी सुरंगों की चपेट में आकर आग का शिकार हुए। ईरान ने जहाजों को अपने ट्रैफिक कंट्रोल सेंटर से समन्वय और निर्धारित नियमों का पालन करने की हिदायत दी है। वहीं, अमेरिका और इज़राइल के साथ बढ़ते सैन्य तनाव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्रीय संघर्ष का प्रमुख केंद्र बन गया है। दूसरी ओर, बहरीन में अमेरिकी रडार सिस्टम को नष्ट करने के ईरान के दावे को सेंटकॉम ने खारिज किया है। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईएसएनए के अनुसार, नौसेना ने बताया कि टैंकर ने प्रतिबंधित समुद्री क्षेत्र से गुजरते समय अपनी ट्रैकिंग और पहचान प्रणालियां बंद कर दी थीं। नौसेना ने इस क्षेत्र को असुरक्षित और प्रतिबंधित घोषित किया है। शनिवार को जारी बयान में चेतावनी दी गई कि यदि कोई अन्य टैंकर इस क्षेत्र में प्रवेश करता है, तो उसे भी इसी तरह के परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। नौसेना ने जहाज मालिकों पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आश्वासनों पर भरोसा करके अपनी संपत्ति खतरे में डालने का आरोप लगाया। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी नौसेना के जनसंपर्क विभाग ने कहा, यह अफसोस की बात है कि टैंकर मालिक अन्य लापरवाह जहाजों के हश्र से कोई सबक नहीं ले रहे हैं। वे अमेरिकी राष्ट्रपति की बेतुकी बातों पर भरोसा करके अपनी पूंजी को बारूदी सुरंगों वाले युद्ध क्षेत्र में भेज रहे हैं और उसे आग में झोंक रहे हैं। वहीं, कुछ घंटे पहले इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की नौसेना ने भी दावा किया था कि दो तेल टैंकर बिना अनुमति के दक्षिणी होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान वे नौसैनिक बारूदी सुरंगों की चपेट में आ गए, जिससे उनमें विस्फोट हुआ और आग लग गई। ईरानी सरकारी प्रसारक इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों जहाजों ने पकड़े जाने से बचने के लिए अपने रडार और ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम बंद कर दिए थे।

एनसीपी के विलय पर सुप्रिया सुले ने लगाया फुलस्टॉप

मुंबई (आससे)। महाराष्ट्र की राजनीति में पिछले कई दिनों से एनसीपी के दोनों गुटों के फिर से एक होने की चर्चा चल रही है. नेताओं की मुलाकातों और बयानों के बीच विलय को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे. अब एनसीपी (शरद पवार) गुट की सांसद सुप्रिया सुले ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इन चर्चाओं पर विराम लगा दिया है. उन्होंने साफ कहा कि अजित पवार के रहते दोनों गुटों के विलय पर बातचीत चल रही थी. यहां तक कि इसकी तारीख भी तय हो गई थी. लेकिन भाई के निधन के बाद उनकी तरफ से इस विषय पर पूर्णविराम लग गया। इस दौरान सुप्रिया सुले ने हाथ जोड़कर कहा कि वह अब विलय के मुद्दे पर कोई बात नहीं करना चाहतीं. उन्होंने कहा, मेरा भाई अब नहीं रहा तो मर्जर की बातें क्या करना. उनका कहना था कि अजित पवार के जाने के बाद यह विषय उनके लिए खत्म हो गया है. उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि आगे इस बारे में सवाल पूछे जाने पर भी वह कोई जवाब नहीं देंगी। सुप्रिया सुले ने माना कि अजित पवार के साथ दोनों गुटों को फिर से एक करने पर बातचीत हुई थी. यह कोई नई चर्चा नहीं थी. दोनों पक्षों के बीच इस दिशा में बात आगे बढ़ी थी और तारीख भी तय हो गई थी. हालांकि, उन्होंने अपने बयान में विलय की तय तारीख का खुलासा नहीं किया। दरअसल, जुलाई 2023 में अजित पवार ने एनसीपी से अलग होकर अपना गुट बना लिया था. इसके बाद पार्टी दो हिस्सों में बंट गई. एक तरफ शरद पवार का गुट रहा, जबकि दूसरी तरफ अजित पवार का गुट था. बीते कुछ समय से दोनों के फिर साथ आने की चर्चा तेज थी. हाल के दिनों में दोनों पक्षों के नेताओं की मुलाकातों ने इन अटकलों को और हवा दी। सुप्रिया सुले ने यह भी कहा कि अजित पवार गुट की तरफ से उन्हें विलय को लेकर कोई फोन, मैसेज या ईमेल नहीं आया है. उन्होंने साफ किया कि उनकी जानकारी में इस बारे में कोई नया प्रस्ताव भी नहीं है. एनडीए में शामिल होने को लेकर भी कोई बातचीत नहीं हुई है. इस दौरान उन्होंने संजय राउत के बयान और उनके लेख पर भी प्रतिक्रिया दी. सुले ने कहा कि लोकतंत्र में हर किसी को अपनी बात रखने का अधिकार है।

पात्र नागरिकों केनाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए व्यापक अभियान चलायें-रिणवा



लखनऊ, (आससे)। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल करने के लिए अधिकारी व्यापक अभियान चलायें। उक्त निर्देश शनिवार को उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 की तैयारियों के संबंध में प्रदेश के समस्त जिला निर्वाचन अधिकारियों, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान मतदाता सूची को त्रुटिरहित, शुद्ध एवं समावेशी बनाने के लिए पूरी गंभीरता से कार्य करते हुए आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरश: से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। इसके अतिरिक्त 01 अप्रैल, 01 जुलाई एवं 01 अक्टूबर, 2027 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले भावी युवा मतदाताओं से भी अग्रिम आवेदन प्राप्त किए जाएं ताकि उन्हें निर्धारित अर्हता तिथि पर मतदाता बनने का अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को पूर्ण रूप समावेशी बनाने के लिए राजनैतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेंटों का सहयोग लिया जाए। इसके साथ ही विभिन्न शासकीय विभागोंए सामाजिक संगठनों, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन आरडब्लूए शैक्षणिक संस्थानों एवं अन्य संस्थाओं के माध्यम से पात्र नागरिकों की पहचान कर उन्हें मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने छूटे हुए सभी पात्र नागरिकों के फॉर्म-6 भरवाकर उनको मतदाता सूची में शामिल करने के निर्देश दिए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि जनपद एवं विधानसभा स्तर पर मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यस्तरीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर 17 नवंबर को प्रकाशित होने वाली आलेख्य मतदाता सूची एवं विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के बाद की पूरक सूचियों की प्रतियां उपलब्ध कराई जाएं। बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा राजनैतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेंटों के साथ बैठक कर आलेख्य मतदाता सूची की जांच की जाये और उसमें आवश्यक सुधारों की पहचान कर नियमानुसार कार्यवाही की जाये। मतदाताओं की सुविधा के लिए प्रकाशित आलेख्य मतदाता सूची को जिला निर्वाचन अधिकारी की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड की जाएं, जिससे कोई भी व्यक्ति आसानी से देख सकें और डाउनलोड कर सकें। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार पदाभिहित स्थलों का चयन एवं पदाभिहित अधिकारियों की नियुक्ति समयबद्ध ढंग से की जाए। ऐसे अधिकारियों की नियुक्ति की जाए, जो प्रत्येक कार्यदिवस में कार्यालय समय के दौरान निर्धारित स्थल पर उपस्थित रह सकें। किसी कार्यदिवस में अधिकारी के अनुपस्थित रहने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए, ताकि नागरिकों को आवेदन जमा करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पाकिस्तान की साजिश का खुलासा

नयी दिल्ली (आससे)। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ सिख प्रवासियों और कश्मीर से जुड़े दबाव समूहों को एकजुट करने के लिए एक साल की योजना तैयार की है। विदेशों में मौजूद अपने संपर्कों के जरिए पाकिस्तान की इस कवायद पर भारतीय एजेंसियों की नजर है। इस्लामाबाद भारत के खिलाफ अपने दुष्प्रचार को बड़े स्तर पर ले जाना चाहता है। इसके लिए उसने विदेशों में सक्रिय अपने लोगों पर भारी निवेश करना शुरू कर दिया है। अगले एक साल में पाकिस्तान का मुख्य फोकस अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन में रहने वाले सिखों को पाकिस्तान बुलाने पर होगा। इसके अलावा, विदेशों में सक्रिय अपने दबाव समूहों के सदस्यों को भी पाकिस्तान बुलाने की तैयारी की जा रही है, ताकि भारत विरोधी दुष्प्रचार को तेज करने के लिए कई बैठकें आयोजित की जा सकें। इंटेलिजेंस ब्यूरो के एक अधिकारी ने बताया कि इस्लामाबाद एक ऐसा रोडमैप तैयार कर रहा है, जिसके जरिए इन लोगों को पाकिस्तान लाया जा सके। ये दौरे गुप्त नहीं होंगे, बल्कि इन लोगों को कानूनी तरीकों से पाकिस्तान लाया जाएगा। यहां तक कि आयोजित होने वाले कार्यक्रमों और बैठकों का भी बड़े पैमाने पर प्रचार किया जाएगा। अधिकारी के अनुसार, इससे इन आयोजनों को एक तरह की वैधता मिल जाएगी और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की ओर से कोई सवाल भी नहीं उठाया जाएगा। फिलहाल पाकिस्तान का मुख्य ध्यान उन दबाव समूहों के सदस्यों पर है, जो अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर का मुद्दा उठाते हैं। इसके साथ ही खालिस्तान के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए सिख प्रवासियों को भी पाकिस्तान बुलाया जाएगा। एक अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तान का इन लोगों को देश में लाने के लिए कानूनी रास्ता चुनना यह दिखाता है कि वह अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने खालिस्तान और कश्मीर, दोनों ही मुद्दों को वैध ठहराना चाहता है। इन आयोजनों के दौरान कश्मीर और पंजाब से जुड़े कथित मानवाधिकार उल्लंघन के मुद्दे उठाए जाएंगे। अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान का मुख्य मकसद अपने एजेंडे का प्रचार करना और इसके बाद अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की मांग को आगे बढ़ाना है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब पाकिस्तान सिख समुदाय को अपने पक्ष में करने की पुरजोर कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान का पूरा ध्यान विदेशों में रहने वाले सिखों पर है, क्योंकि भारत ने करतारपुर कॉरिडोर को फिलहाल निलंबित कर रखा है, जिससे भारतीय तीर्थयात्री सीमा पार नहीं जा पा रहे हैं। इसी वजह से पाकिस्तान अब विदेशों में रहने वाले उन सिखों से संपर्क कर रहा है, जो कॉरिडोर खुला होने की स्थिति में भारत की ओर से पाकिस्तान आते। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि इस्लामाबाद एक ऐसी रणनीति पर काम कर रहा है, जिसके तहत दुबई, कोलंबो, कुआलालंपुर और इस्तांबुल के रास्ते सिख प्रवासियों और तथाकथित कश्मीर समर्थक कार्यकर्ताओं को पाकिस्तान लाया जा सके। इन लोगों को पाकिस्तान लाने के लिए विशेष आव्रजन (इमिग्रेशन) इंतजाम किए गए हैं।

इस तरह की सुविधाएं आमतौर पर पाकिस्तान आने वाले उच्चस्तरीय मेहमानों को दी जाती हैं। इस्लामाबाद यह जताना चाहता है कि खालिस्तान और कश्मीर के मुद्दों पर उसकी मदद करने वाले लोग उसके लिए राजकीय दौरे पर आए महत्वपूर्ण मेहमान हैं। इसके तहत पाकिस्तान आने वाले इन मेहमानों को स्मार्ट-गेट इमिग्रेशन सुविधा, विशेष ई-वीजा और अलग ग्रीन चैनल जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। पाकिस्तान इस कार्यक्रम को पूरे साल चलाना चाहता है और इसकी शुरुआत विदेशों में रहने वाले सिखों को आमंत्रित करके करेगा। ऐसा मुख्य रूप से पंजाब के उन सिखों को ध्यान में रखकर किया जा रहा है, जो 2027 के विधानसभा चुनावों में मतदान करेंगे। विदेशों से सिखों को बुलाने और उन्हें पवित्र धार्मिक स्थलों की यात्रा कराने का मकसद भारत के सिखों को एक खास संदेश देना है। इस्लामाबाद को उम्मीद है कि भारत के सिख अपनी सरकार पर दबाव डालेंगे कि वह पाबंदियों में ढील दे और उन्हें पाकिस्तान जाने की अनुमति दे। ढ्ढस्ढ्ढ को लगता है कि भारत इस दबाव के आगे झुक जाएगा और सिखों के लिए पाकिस्तान जाने का रास्ता खोल देगा। इससे पाकिस्तान को इन लोगों को अपने प्रभाव में लेने का मौका मिलेगा, ताकि पंजाब लौटने पर वे पाकिस्तान के लिए एक एसेट के रूप में काम करें। चूंकि पंजाब में विधानसभा चुनाव नजदीक हैं, इसलिए फिलहाल पूरा जोर खालिस्तान के मुद्दे पर होगा।

संक्षिप्त

डोडा में चार घंटे के भीतर भूकंप के तीन झटके

जम्मू (आससे)। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में शनिवार को चार घंटे के भीतर तीन बार भूकंप के झटके महसूस किये गये। तीनों भूकंपों के केंद्र लगभग पूर्व-पश्चिम दिशा में एक सीधी रेखा में रहे हैं। इनके बीच का कुल क्षेत्र करीब 11.5 किलोमीटर तक फैला है। तीनों भूकंप महज चार घंटे 38 मिनट के भीतर दर्ज किये गये। इनकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर क्रश: 2.7, 3.8 और 2.9 रही। भूकंप के केंद्र जमीन से पांच से दस किलोमीटर की गहरायी में दर्ज किये गये हैं। इनमें सबसे तेज 3.8 तीव्रता का भूकंप महज पांच किलोमीटर की गहरायी पर आया। भूकंप के केंद्रों का सीमित भौगोलिक दायरे में लगभग एक सीध में होना खास बनाता है। डोडा-किश्तवाड़ क्षेत्र पहले से ही भूगर्भीय दृष्टि से संवेदनशील और जटिल संरचना वाला इलाका माना जाता है। इस क्षेत्र में वर्ष 2013 में 5.7 तीव्रता का किश्तवाड़ और वर्ष 2023 में 5.4 तीव्रता का भूकंप डोडा में आ चुका है।

भालुओंके हमलेमें घास काट रही महिलाकी मौत

कोटद्वार (एजेंसी)। दुगड्डा विकासखंड के घाड़ क्षेत्र के अंतर्गत चरेख गांव में शनिवार को भालुओं के हमले में एक महिला की मौत हो गयी। महिला गांव के पास अन्य महिलाओं के साथ घास काट रही थी, तभी अचानक दो भालुओं ने उस पर हमला कर दिया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गयी। ग्रामीण उसे उपचार के लिए कोटद्वार अस्पताल ला रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। मृतका की पहचान अंजना देवी (52) पत्नी बनवीर सिंह नेगी, निवासी ग्राम चरेख के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, शनिवार को अंजना देवी गांव से करीब 200 मीटर की दूरी पर अन्य महिलाओं के साथ घास काट रही थी। इसी दौरान अचानक दो भालू वहां पहुंच गये और उन्होंने अंजना देवी पर हमला कर दिया। भालुओं ने महिला को बुरी तरह जख्मी कर दिया। घटना के बाद ग्र